



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Rajasthan Microfinance customers benefit from a dedicated customer support mechanism

(Press Release)

Region: Udaipur

Media Coverage Index

Sr. No.	Date	Publication Name	Edition
Rajasthan Microfinance customers benefit from a dedicated customer support mechanism			
1.	29.04.2023	Ansh Express	Print
2.	29.04.2023	Vaggadoot	Print
3.	04.05.2023	Jaykanthal	Print
4.	04.05.2023	Prabhath Abhinandan	Print
5.	04.05.2023	Samriidh Rajasthan	Print
6.	04.05.2023	Ahinsa Kranti	Print
7.	04.05.2023	Sargara Sandesh	Print
8.	04.05.2023	True India News	Print
9.	04.05.2023	Dainik Paryartan Bazar	Print
10.	04.05.2023	Dainik Navjyoti	Print
11.	04.05.2023	Jay Rajasthan	Print
12.	05.05.2023	Hukunama Samachar	Print
13.	05.05.2023	Khabar Halchal	Print

Publication	Ansh Express
Edition	Dungarpur
Date	April 29, 2023
Page No.	1

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

डूंगरपुर। आरबीआई-रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क (एमएफआईएन) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं। माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर इनीशिएटिव की नेशनल हेड सुश्री अचला सव्यासाची ने कहा, 'राजस्थान में 43 लाख महिलाओं ने विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए आरबीआई रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं से लोन प्राप्त किया है। माइक्रोफाइनेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में वित्तीय जागरूकता पैदा करने एवं लोन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के लिए एमएफआईएन/स्वतंत्र ने हाल ही में राजस्थान के सभी जिलों के लिए आपके साथ, माइक्रोफाइनेंस की बात को रेडियो पर प्रसारित किया और प्रिंट में प्रकाशित किया। माइक्रोफाइनेंस लोन लेने वालों को यह जानने की जरूरत है कि उनकी शिकायतों को समय पर निवारण प्रदान करने के लिए त्रि-स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र काम कर रहा है।'

Publication	Vaggadoot
Edition	Dungarpur
Date	April 29, 2023
Page No.	2

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

(वागडूत संवाददाता) । डूंगरपुर. आरबीआई-रेग्युलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन/स्वच्छदूह) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा

विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं।

Publication	Jaykanthal
Edition	Pratapgarh
Date	May 04, 2023
Page No.	2

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

@ जय काँठल न्यूज प्रतापगढ़ 3 मई। आरबीआई-रेग्युलेटड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों

के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस

बैंक, बैक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखे छोटे लोन प्रदान करते हैं। माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर इनीशिएटिव की नेशनल हेड सुश्री अचला सव्यासाची ने कहा, 'राजस्थान में 43 लाख महिलाओं ने विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए आरबीआई रेगुलेटड माइक्रोफाइनेंस

संस्थाओं से लोन प्राप्त किया है। माइक्रोफाइनेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में वित्तीय जागरूकता पैदा करने एवं लोन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के लिए एमएफआईएन/MFIN ने हाल ही में राजस्थान के सभी जिलों के लिए आपके साथ, माइक्रोफाइनेंस की बात को रेडियो पर प्रसारित किया और प्रिंट में प्रकाशित किया।' माइक्रोफाइनेंस लोन लेने वालों को यह जानने की जरूरत है कि उनकी शिकायतों को समय पर निवारण प्रदान करने के लिए त्रि-स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र काम कर रहा है। वे अपनी

पासबुक पर टोल-फ्री नंबर पर अपने उधार देने वाले संस्थान से संपर्क कर सकते हैं, टोल-फ्री नंबर 1800 102 1080 पर एमएफआईएन एसआरओ से जुड़ सकते हैं या आरबीआई लोकपाल से जुड़ सकते हैं। राजस्थान में एक मजबूत वित्तीय समावेशन आंदोलन के निर्माण के उद्देश्य से, माइक्रोफाइनेंस संस्थान प्रशासन, लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों और अपने लाखों ग्राहकों के सहयोग से कस्टमर फ्रेंडली माइक्रोफाइनेंस सर्विस के निर्माण की दिशा में लगन से काम कर रहे हैं।

Publication	Prabhath Abhinandan
Edition	Banswara
Date	April 04, May
Page No.	4

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

बांसवाड़ा, 3 मई (का.सं.)। आरबीआई-रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन/MFIN (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन/MFIN) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम

से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं।

राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं।

माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर इनीशिएटिव की नेशनल हेड सुश्री अचला सव्यासाची ने कहा, राजस्थान में 43 लाख महिलाओं ने विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए आरबीआई रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं से लोन प्राप्त किया है। माइक्रोफाइनेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में वित्तीय जागरूकता पैदा करने एवं लोन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों के लिए एमएफआईएन/MFIN ने हाल ही

में राजस्थान के सभी जिलों के लिए आपके साथ, माइक्रोफाइनेंस की बात को रेडियो पर प्रसारित किया और प्रिंट में प्रकाशित किया।

माइक्रोफाइनेंस लोन लेने वालों को यह जानने की जरूरत है कि उनकी शिकायतों को समय पर निवारण प्रदान करने के लिए त्रि-स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र काम कर रहा है। वे अपनी पासबुक पर टोल-फ्री नंबर पर अपने उधार देने वाले संस्थान से संपर्क कर सकते हैं, टोल-फ्री नंबर 18001021080 पर एमएफआईएन एसआरओ से जुड़ सकते हैं या आरबीआई लोकपाल से जुड़ सकते हैं। राजस्थान में एक मजबूत वित्तीय समावेशन आंदोलन के निर्माण के उद्देश्य से, माइक्रोफाइनेंस संस्थान प्रशासन, लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों और अपने लाखों ग्राहकों के सहयोग से कस्टमर फ्रेंडली माइक्रोफाइनेंस सर्विस के निर्माण की दिशा में लगन से काम कर रहे हैं।

Publication	Samriidh Rajasthan
Edition	Banswara
Date	May 04, 2023
Page No.	5

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

बांसवाड़ा, 3 मई (का.सं.)। आरबीआई-रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन/MFIN (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन/MFIN) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण

तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं।

माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर इनीशिएटिव की नेशनल हेड सुश्री अचला सव्यासाची ने कहा, राजस्थान में 43 लाख महिलाओं ने विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए आरबीआई रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं से लोन प्राप्त किया है। माइक्रोफाइनेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में वित्तीय जागरूकता पैदा करने एवं लोन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के लिए एमएफआईएन/

MFIN ने हाल ही में राजस्थान के सभी जिलों के लिए आपके साथ, माइक्रोफाइनेंस की बात को रेडियो पर प्रसारित किया और प्रिंट में प्रकाशित किया। माइक्रोफाइनेंस लोन लेने वालों को यह जानने की जरूरत है कि उनकी शिकायतों को समय पर निवारण प्रदान करने के लिए त्रि-स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र काम कर रहा है। वे अपनी पासबुक पर टोल-फ्री नंबर पर अपने उधार देने वाले संस्थान से संपर्क कर सकते हैं, टोल-फ्री नंबर 18001021080 पर एमएफआईएन एसआरओ से जुड़ सकते हैं या आरबीआई लोकपाल से जुड़ सकते हैं। राजस्थान में एक मजबूत वित्तीय समावेशन आंदोलन के निर्माण के उद्देश्य से, माइक्रोफाइनेंस संस्थान प्रशासन, लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों और अपने लाखों ग्राहकों के सहयोग से कस्टमर फ्रेंडली माइक्रोफाइनेंस सर्विस के निर्माण की दिशा में लगन से काम कर रहे हैं।

Publication	Ahinsa Kranti
Edition	Sirohi
Date	May 04, 2023
Page No.	4

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

सिरोही, अप्रैल 2023: आरबीआई-रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन/डथ्छ (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क (एमएफआईएन/डथ्छ) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं। डमाइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर इनीशिएटिव की नेशनल हेड सुश्री अचला सव्यासाची ने कहा, "राजस्थान में 43 लाख महिलाओं ने विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए आरबीआई रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं से लोन प्राप्त किया है। माइक्रोफाइनेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में वित्तीय जागरूकता पैदा करने एवं लोन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के लिए एमएफआईएन/डथ्छ ने हाल ही में राजस्थान के सभी जिलों के लिए 'आपके साथ, माइक्रोफाइनेंस की बात' को रेडियो पर प्रसारित किया और प्रिंट में प्रकाशित किया।" माइक्रोफाइनेंस लोन लेने वालों को यह जानने की जरूरत है कि उनकी शिकायतों को समय पर निवारण प्रदान करने के लिए त्रि-स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र काम कर रहा है।

Publication	Sargara Sandesh
Edition	Sirohi
Date	May 04, 2023
Page No.	2

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

सिरोही। आरबीआई-रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-

आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं। माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर इनीशिएटिव की नेशनल हेड सुश्री अचला सव्यासाची ने कहा, राजस्थान में 43 लाख महिलाओं ने विभिन्न आर्थिक गतिविधियों

के लिए आरबीआई रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं से लोन प्राप्त किया है। माइक्रोफाइनेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में वित्तीय जागरूकता पैदा करने एवं लोन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के लिए एमएफआईएन ने हाल ही में राजस्थान के सभी जिलों के लिए आपके साथ, माइक्रोफाइनेंस की बात को रेडियो पर प्रसारित किया और प्रिंट में प्रकाशित किया। माइक्रोफाइनेंस लोन लेने वालों को यह जानने की जरूरत है कि उनकी शिकायतों को समय पर निवारण प्रदान करने के लिए त्रि-स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र काम कर रहा है। वे अपनी पासबुक पर टोल-फ्री नंबर पर अपने उधार देने वाले संस्थान से संपर्क कर सकते हैं।

Publication	True India News
Edition	Jalore
Date	May 04, 2023
Page No.	3

डिजिटल कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक इंडिया न्यूज

जालोर। आरबीआई-रेग्युलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन/MFIN (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन/MFIN) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं।

राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं।

Publication	Dainik Paryartan Bazar
Edition	Jalore
Date	May 04, 2023
Page No.	3

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

जालोर। आरबीआई-रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एमएफआईएन/MFIN (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क (एमएफआईएन/MFIN) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स,

एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं।

माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर इनीशिएटिव की नेशनल हेड सुश्री अचला सव्यासाची ने कहा, राजस्थान में 43 लाख महिलाओं ने विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए आरबीआई रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं से लोन प्राप्त किया है। माइक्रोफाइनेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में वित्तीय जागरूकता पैदा करने एवं लोन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयों के लिए एमएफआईएन/स्वतंत्र ने हाल ही में राजस्थान के सभी जिलों के लिए 'आपके साथ, माइक्रोफाइनेंस की बात' को रेडियो पर प्रसारित किया और प्रिंट में प्रकाशित किया।

माइक्रोफाइनेंस लोन लेने वालों को यह जानने की जरूरत है कि उनकी शिकायतों को समय पर निवारण प्रदान करने के लिए त्रि-स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र काम कर रहा है।

Publication	Dainik Navjyoti
Edition	Rajasthan
Date	May 04, 2023
Page No.	2

महिलाओं के लिए उपयोगी माइक्रोफाइनेंस सुविधा

नई दिल्ली। आरबीआई रेग्युलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व.नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क एमएफआईएन और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं।

Publication	Jay Rajasthan
Edition	Rajsamad
Date	May 04, 2023
Page No.	3

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

राजसमंद, 3 मई। आरबीआई-रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन/MFIN (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन/MFIN) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं।

Publication	Hukunama Samachar
Edition	Pratapgarh
Date	May 05, 2023
Page No.	6

डेडिकेटेड कस्टमर स्पॉट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

प्रतापगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। आरबीआई-रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन/ (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन/मैन) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं। वे समाज के निम्न-आय वाले, आर्थिक रूप से बहिष्कृत लोग जिनके पास अन्य किसी फॉर्मल फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंच नहीं है को बिना कुछ गिरवी रखें छोटे लोन प्रदान करते हैं। माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर इनीशिएटिव की नेशनल हेड सुश्री अचला सव्यासाची ने कहा, राजस्थान में 43 लाख महिलाओं ने विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए आरबीआई रेगुलेटेड माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं से लोन प्राप्त किया है। माइक्रोफाइनेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में वित्तीय जागरूकता पैदा करने एवं लोन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयों के लिए एमएफआईएन/स्वच्छ ने हाल ही में राजस्थान के सभी जिलों के लिए %आपके साथ, माइक्रोफाइनेंस की बात% को रेडियो पर प्रसारित किया और प्रिंट में प्रकाशित किया।

Publication	Khabar Halchal
Edition	Pratapgarh
Date	May 05, 2023
Page No.	2

डेडिकेटेड कस्टमर स्पोर्ट मैकेनिज्म से लाभान्वित होते हैं राजस्थान माइक्रोफाइनेंस के ग्राहक

प्रतापगढ़ । आरबीआई-रेग्युलेटेड माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस अपनी महिला कस्टमर के घर तक माइक्रोफाइनेंस लोन की सुविधा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआईएन / MFIN (आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन और माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री एसोसिएशन इन इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पूरे भारत में 64 मिलियन महिलाओं ने उद्यम, शिक्षा, जल और स्वच्छता और घर की मरम्मत जैसी जरूरतों के लिए माइक्रो फाइनेंस सर्विस का उपयोग किया है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन/MFIN) और इसके सदस्य (जो आरबीआई द्वारा विनियमित हैं) उन लोगों का लोन सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो देश के सामाजिक-आर्थिक पिरामिड की नींव हैं और साथ ही में राजस्थान में एक मजबूत ग्राहक निवारण तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। राजस्थान में आरबीआई-विनियमित संस्थाएं, अर्थात् एनबीएफसी-एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक्स, एनबीएफसी और व्यवसाय प्रतिनिधि, एक दशक से अधिक समय से राज्य में काम कर रहे हैं।